अमीर-गरीब के दिमाग में अंतर होता है क्या?

हाल के एक विवादित अनुसंधान से पता चला है कि अमीर बच्चों और गरीब बच्चों के दिमाग के कामकाज में फर्क होते हैं। और इसी अनुसंधान से यह भी पता चला है कि ये फर्क अस्थायी ही होते हैं।

आम तौर पर यह देखने में आता है कि गरीबों की अपेक्षा उच्च आमदनी वाले घरों के बच्चे बुद्धिमत्ता के परीक्षणों व परीक्षा परिणामों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। यह भी जानी-मानी बात है कि संपन्न वर्ग के बच्चों के माता-पिता प्रायः ज़्यादा शिक्षित भी होते हैं। इसलिए संपन्न बच्चों के बेहतर प्रदर्शन के पीछे उनके माता-पिता की शिक्षा के अलावा उन्हें उपलब्ध बेहतर सुविधाओं का भी हाथ हो सकता है।

मगर कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के मार्क किशियामा और उनके साथी यह देखना चाहते थे कि क्या इन अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमियों के बच्चों के बीच कोई तंत्रिका वैज्ञानिक फर्क भी होता है।

इसके लिए किशियामा व साथियों ने 7-13 वर्ष उम्र के कुछ बच्चों के साथ परीक्षण किए। इन बच्चों को काफी साधारण-सी गतिविधि करने को दी गई - उन्हें कुछ आकृतियों को पहचानना था। इस गतिविधि में दोनों पृष्ठभूमियों के बच्चों का प्रदर्शन बढ़िया रहा।

मगर जब बच्चे इस गतिविधि में तल्लीन थे, तब किशियामा उनके दिमाग की गतिविधि पर भी नज़र लगाए हुए थे। देखा गया कि कमतर सामाजिक पृष्ठभूमि वाले बच्चों में दिमाग के प्री-फ्रंटल कॉर्टेक्स क्षेत्र में सक्रियता कम रही। प्री-फ्रंटल कॉर्टेक्स एकाग्रता का नियंत्रण करता है और दिमाग के संसाधनों का आवंटन करता है।

इस परीक्षण के आधार पर किशियामा का मत है कि प्री-फ्रंटल कॉर्टेक्स क्षेत्र में सक्रियता के अभाव से पता चलता है कि क्यों ये बच्चे उच्चतर संज्ञान की गतिविधियों में कमज़ोर साबित होते हैं। वैसे इसकी एक व्याख्या यह भी हो सकती है कि उन बच्चों को उक्त गतिविधि के लिए शायद इससे अधिक मानसिक संसाधनों या एकाग्रता की ज़रूरत ही महसूस न हुई हो।

बहरहाल, किशियामा ने यह भी देखा कि एम.आर.आई. स्कैन में दोनों तरह के बच्चों के दिमाग की संरचना में कोई अंतर नहीं था। इससे लगता है कि जो भी अंतर हैं वे स्थायी नहीं हैं। इसके आधार पर किशियामा का मत है कि सामाजिक-आर्थिक रूप से कमज़ोर पृष्ठभूमि के बच्चों को ऐसी गतिविधियां दी जानी चाहिए जिनसे उनके मस्तिष्क के इस हिस्से में गतिविधि में इज़ाफा हो सके। कुल मिलाकर इतने अनुसंधान के बाद निष्कर्ष यही लगता है कि सब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए ताकि उनके दिमाग का समुचित विकास हो सके। ***(स्रोत फीचर्स)***